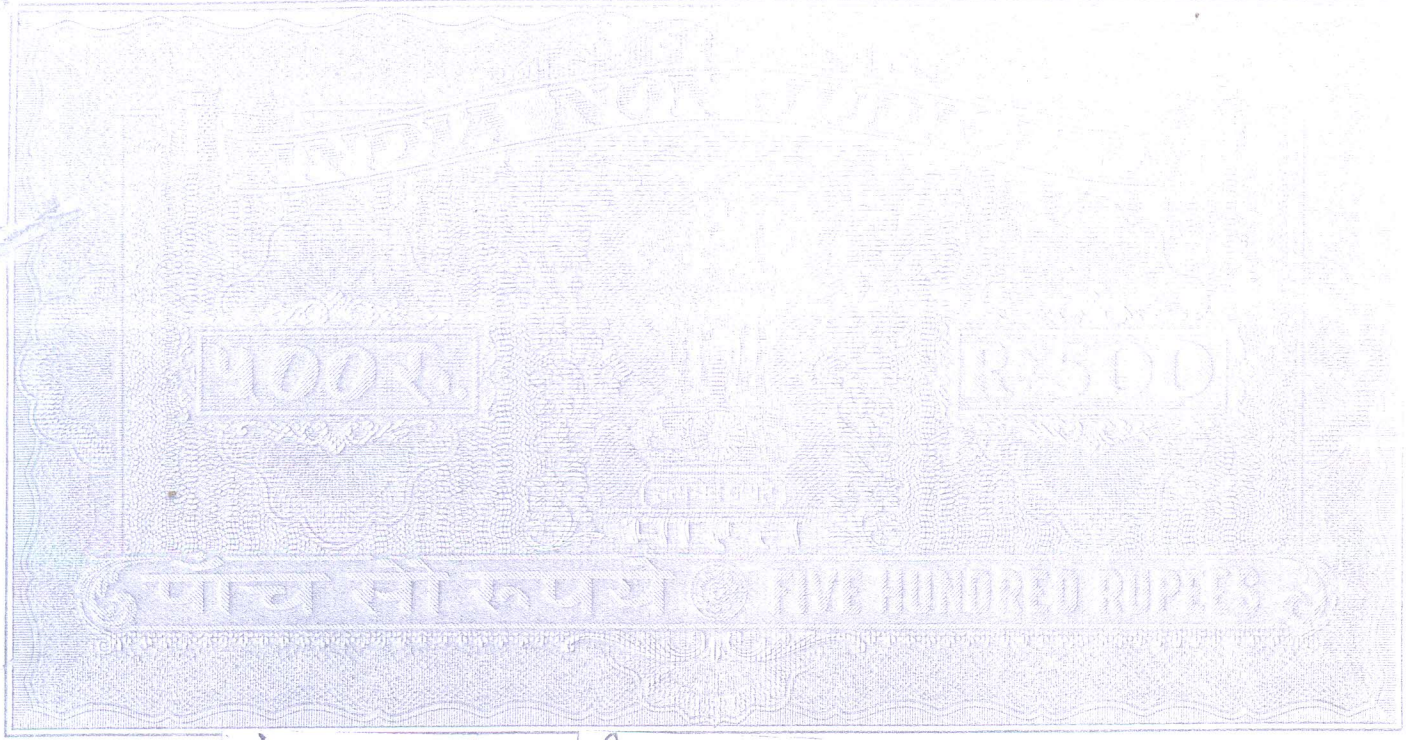

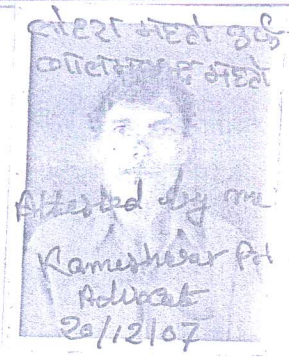

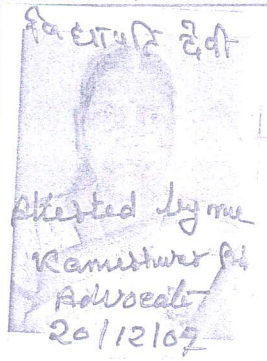

५०० रु. Rs.500

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

(1) लेख्यकारी :- श्री लोहरा महतो उर्फ बालमुकुन्द महतो पिता स्व0 पुना महतो जाति कुम्हार पेशा खेती बारी साकिन मौजा सलडेगा थाना सिमडेगा जिला सिमडेगा ----- विक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या ---522-------/ 2007

(2) लेख्यधारिणी :- श्रीमती विद्यापति देवी पति श्री ब्रजेश

500Rs.

-: 2 :-

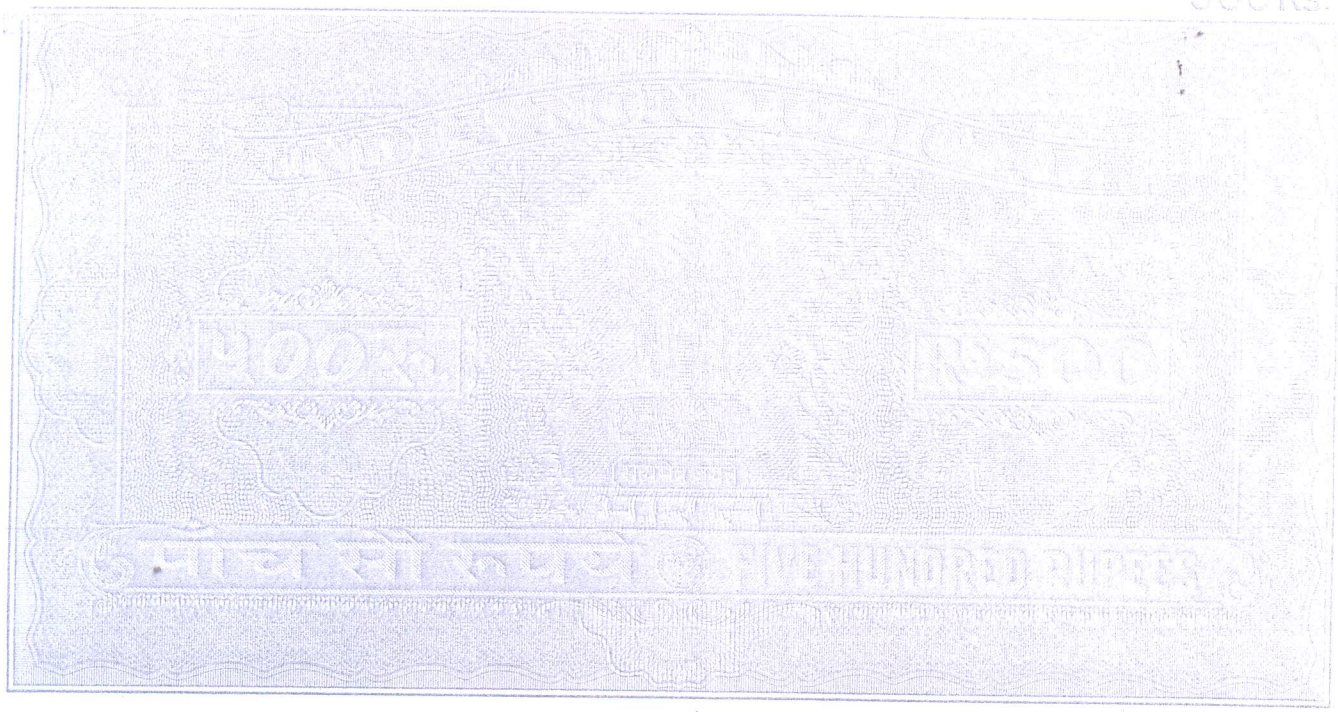

----- भारतीय नागरिक ----------------

शपथ-पत्र संख्या - - - 523 - - - - - - - - - - - -/ 2007

§3§ लेख्य प्रकार :- विक्रय-पत्र केवाला बैला कलामी पुत्र-पुत्रादिक हमेशा के लिए ।

§4§ मूल्य :- मोवलिग बावन हजार पांच सौ रूपये अंके 52,500/- रूपये होता है ।

§5§ सम्पति :- रराजियात 0.05¼ एकड़ § सवा पांच डिसमिल§ जमीन हकियत रैयती मय दखाली खातियानी वाके मौजा सलडेगा टोंगरी टोली थाना नं0 117 थाना सिमडेगा सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला सिमडेगा के खाता नं0 22 §बाइस §प्लाट नं0 1610 § सोलह सौ दस § रकबा 1.08 एकड़ में से 0.05¼ एकड़ § सवा पांच डिसमिल § जमीन जिसकी चौहद्दी :-

उत्तर :- टांड़ शिव राम महतो,

दक्षिण :- इसी प्लाट पर छोड़ा गया रास्ता,

पूरब :- इसी प्लाट का अंश,

पश्चिम :- इसी प्लाट का अंश ।

गवाह- रंजीत महतो पिता श्री- [illegible] महतो, [illegible] टोली थाना + जिला- सिमडेगा
ता: 20.12.07

[illegible] 20.12.07

कुल एक खाता का एक प्लाट का टुकड़ा रकबा 0.05¼ एकड़ सिर्फ जिसका मालगुजारी सालाने 05 पैसा अलावे शेष्ा ।वर्णित विक्रीत जमीनआवासीय है ।

§1§ चूँकि-इस समय मुझे महाजनी कर्ज चुकाने वास्ते रूपये की अति आवश्यकता है,पर मैंने वर्णित जमीन का कुल मूल्य मो0 52,500/- रूपये नगद भुगतान पाकर उपर्युक्त लेख्यधारिणी के पास रैयतो बेचा और अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थ्यता में रह कर यह विक्रय-पत्र लिखा दिया कि प्रमाण रहे ।

§2§ मैं, प्रतिज्ञा करता हूँ कि वर्णित विक्रीत जमीन मेरी पुस्तैनी खातियानी है जो विगत सर्वे नाप में मेरे दादा जगरनाथ कुम्हार,देवनाथ कुम्हार वगैरह के नाम से कायमी दर्ज है । खातियानी रैयतो जगरनाथ कुम्हार के दो पुत्र अहलाद महतो एवं ननकू महतो हुए देवनाथ कुम्हार के पुत्र गुलमा महतो एवं पुना महतो हुए पुना महतो के तीन पुत्र हरिश्चन्द्र महतो,प्रहलाद महतो एवं मैं लेख्यकारी हुए वर्णित जमीन का वर्तमान जमाबंदी अहलाद महतो वगैरह के नाम से चलता है एवं सरकारी मालगुजारी की रसीद कटती है । पूरे

500Rs.

-: 4 :-

खातियानी जमीन जायदाद को आपस में भैयादी बंटवारा कर लिए हैं और अपने-अपने हिस्से पर दखलकार हैं । वर्णित विक्रीत जमीन मेरे हिस्से को है जिस पर मेरा निर्विवाद दखल वो कब्जा है । अब से आईन्दे वह जमीन लेख्यधारिणी का रहा वो रहेगा ।अब उस पर मेरा कोई हक अधिकार नहीं रहा न रहेगा और न ही मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का ।

§3§ चाहिए कि लेख्यधारिणी वर्णित जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर वो रह करमकान सहन आदि बनावें वो जैसा मन चाहें अपने उपयोग में लावें वजरिये झारखण्ड सरकार के जमींदारी सिरिस्ते अंचल कार्यालय सिमडेगा से तारीखा लेख्य से दाखिल खारीज करा कर मालगुजारी को रसीद खास नाम से हासिल करें ।

लेख्यकारी के कहे अनुसार इस विक्रय-पत्र केवाला दस्तावेज का प्रारूप तैयार कर दोनों पक्षों को उनके गवाहों के सामने पढ़ कर सुना वो समझा दिया जिसे स्वीकार किये ।

प्रारूप कर्त्ता,
Kameshwar Prasad
Advocate

तारीख - 20/12/07

100 Rs.

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

मैं, लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि वर्णित विक्रीत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

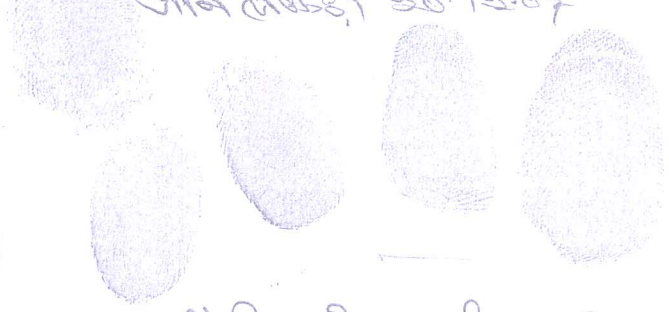

सही - है० के० लोटवा महतो उर्फ
लाल मुकुन्द महतो का:
[illegible] 20.12.07

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी अपने बांये हाथ का पांचों उंगलियों का छाप मेरे समक्ष दिया।

Rameshwar Prasad.
Advocate 20/12/07

मैं, लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि वर्णित जमीन वो पूर्व धारित जमीन मिला कर सिलिंग सीमा के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही - विद्यापति देवी
20-12-07

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारिणी अपने बायें हाथ का पांचों उंगलियों का छाप मेरे समक्ष दिया।

Rameshwar Prasad.
Advocate 20/12/07

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के कुल 6 पृष्ठों में कुल 493 शब्द टंकित है जो खण्डन रहित वो नक्शा सहित है ।

टंकक -

ह0/- नारायण दास
20/12/07

॥ नारायण दास ॥

कचहरी परिसर, सिमडेगा ।

प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति एक दूसरे के साथ हुबहु एवं सच्ची प्रतिलिपि है।

सही -